नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक १२५ वि.सं. २०८२ अगहन १२ गते शुक थारु सम्वत (२६४८) [Friday 28 November 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कोषमे सूचीकरण बह्राइ पर्ना जोड

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ अगहन । सामाजिक सुरक्षा कोषमे अनौपचारिक क्षेत्र ओ वैदेशिक रोजगारमे रहल श्रमिकके सूचीकरण बह्राइ पर्ना सरोकारवाला जोड डेले बटै ।

आठौं सामाजिक सुरक्षा दिवसके अवसरमे सामाजिक विकास मन्त्रालयसे बिफेक रोज धनगढीमे आयोजना करल अन्तरक्रिया कार्यक्रममे सहभागी सरोकारवाला सामाजिक सुरक्षा कोषमे सूचीकरण बह्राइ पर्ना जोड डेहल हुइट । वैदेशिक रोजगारमे गैलहुक्रनके सङ्ख्या ढेर रहल मने कोषमे सक्कु जनहनहे आवद्ध कराइ नैसेकल जनाइल बा । ओस्टके, अनौपचारिक क्षेत्रमे काम करटी रहल श्रमिक ओ स्वरोजगारके कोषमे आवद्धता अत्यन्त न्यून रहल बा ।

कोषमे सबके ढेरसे ढेर सहभागिताके लाग सामाजिक सुरक्षा कोषहे अझ प्रभावकारी बनैना आवश्यक रहल सामाजिक विकास राज्यमन्त्री सरस्वती खड्का बटैली । उहाँ कोषके बारेम प्रदेश सरकारभिट्टर फेन ढेर छलफल होके कार्यक्रम सञ्चालन हुइटी रहल उल्लेख करली । "योगदानके आधारमे सामाजिक सुरक्षा कोषहे प्रभावकारी रुपमे आघे बह्राइ परल", राज्यमन्त्री खड्का कहली ।

सामाजिक सुरक्षा कोषमे हालसम नेपालके २६ लाख ३७ हजार श्रमिक सूचीकरण हुइल सामाजिक सुरक्षा कोष जानकारी डेले बा । सो कार्यालयके अनुसार औपचारिक श्रमिक छ लाख १९ हजार, वैदेशिक रोजगारीमे रहल १९ लाख ९६ श्रमिक कोषमे सूचीकृत हुइल बटै । अनौपचारिक ओ स्वरोजगार क्षेत्रके भर जम्मा एक हजार ३८१ व्यक्ति किल कोषमे सूचीकृत हुइल बटै ।

सामाजिक सुरक्षा कोषमे संस्थाके सूचीकरण २२ हजार ३३२ पुगल जनाइल बा । कोषके पोर्टफोलियो एक खर्ब २५ अर्ब रहल सामाजिक विकास कोषके जयकृष्ण दुलाल जानकारी डेलै । उहाँ वैदेशिक रोजगारीमे रहल ओ अनौपचारिक क्षेत्रमे कार्यरत श्रमिकहे कोषमे समेट्ना जरुरी रहल औंल्याइल रहिट ।

अनिवार्य, स्वेच्छिक ओ सरकारसे टोकडेहे सेक्ना मेरके तीन प्रकारके सामाजिक सुरक्षा कोषके दायरा रहल बावै । कोषके औषधि उपचार, स्वास्थ्य तथा मातृत्व सुरक्षा योजना १.२ प्रतिशत, दुर्घटना तथा अशक्तता सुरक्षा योजना ०.८ प्रतिशत रहल बा । ओस्टके, आश्रित परिवार सुरक्षा योजना ०.६७ प्रतिशत ओ वृद्धा अवस्था सुरक्षा योजना २८.३३ प्रतिशत रहल बा । कोषके लाग वित्तीय स्रोत भने आधारभूत तलबके ३१ प्रतिशत, रोजगारदाताके २० प्रतिशत ओ श्रमिकके ११ प्रतिशत रहल बा ।

सामाजिक सुरक्षा कोषमे आवद्ध नैहुइटसम श्रम स्वीकृति नैपैना व्यवस्था हुइलपाछे किल वैदेशिक रोजगारमे जउइयाहुक्रे कोषमे सूचीकृत हुइ लागल सुरक्षित आप्रावासनके पञ्चराम चौधरी बटैलै । उहाँ सामाजिक सुरक्षा कोषमे सूचीकरण बह्राइक लाग स्थानीय तहसम पुग्ना आवश्यक रहल औंल्याइल रहिट ।

ओस्टके, युनिसेफके प्रकाश आचार्य औपचारिक क्षेत्रके श्रमिकसमेत कोषमे आवद्ध नैरहल उल्लेख कैटी ग्रामीण क्षेत्रमे सचेतना फैलैना जरुरी रहल बटैलै । सुदूरपश्चिमके ७० प्रतिशत श्रमिक भारतमे काम कैना करल कहटी उहाँहुक्रनहे सामाजिक सुरक्षा कोषमे समेटे पर्ना उल्लेख करलै ।

सामाजिक विकास मन्त्रालयके सचिव डा. हेमराज रेग्मी पाछे परल वर्गहे सामाजिक सुरक्षा कोषके पहुँचमे लन्ना मन्त्रालय मातहतके कार्यालयमार्फत काम हुइटी रहल बटैलै । प्रदेशमे सामाजिक सुरक्षा कोषके कार्यालय स्थापनाके लाग मन्त्रालयमे कोठा उपलब्ध कराइ सेकजैना उहाँके कहाइ रहल बा । सामाजिक सुरक्षा कोषके समन्वयमे कार्यक्रम हुइल रहे ।

उद्यमीसे भोगे परल लैङिक हिंसाबारे अभिमुखीकरण

हिंसाहे समयमे प्रतिकार कैना आग्रह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ अगहन । ३४औं लैंङिक हिंसा विरुद्धके १६ दिने अभियान अर्न्तगत उद्यमीहुक्रे भोग्नु परल लैङिक हिंसा ओ उहीसे बाँचेक लाग अपनाइल उपायके बारेमे उद्यमीहुकनविच छलफल तथा अभिमुखीकरण कार्यक्रम करल बा ।

मुक्त कमैया महिला विकास मञ्चले एफसिए नेपालके सहयोगमे गैरपरम्परागत क्षेत्रमे महिला उद्यमशिलता विकास परियोजना अर्न्तगत विफेक रोज अत्तरीयामे उद्यमीविच छलफल करल हो ।

गोदावरी नगरपालिकाके महिला, बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक शाखा प्रमुख गोदावरी खत्री लैङिक हिंसा न्यूनीकरणबारे प्रस्तुतीकरण करटी हिंसा सहटी गैलेसे भारी घटनामे परिणत हुइना बटैटी ओकर समयमे प्रतिकार करेपर्ना बटैली ।

समाजमे अभिनफे पितृसत्तात्मक सोचके कारण लैङिक हिंसामे कमी आई नैसेकल उहाँ बटैली । महिलाहुकनहे गर्भसे विभेद करटी भोज हुके गैलपाछे सासुया पटुहिया बनटसम विभेद तथा हिंसा हुइना करल उहाँ बटैली ।

बालविवाह, मानव बेचविखन, मावन तस्कारीके कारण महिला हिंसामे परठै, उहाँ कहली, ' राजनितिक, आर्थिक, सांस्कृति तथा सामाजिक रुपमे महिलाहे पाछे पारल बा । हिंसा घरसे सुरुवाट हुइटी हेराई, बोलाई, व्यवहारसे हिंसा हुइटी रहल बा ।

महिलाहुक्रे आर्थिक रुपमे बल्गर, सशक्त नैहुइटसम हिंसा न्यूनिकरण करेनैसेक्ना शाखा प्रमुख खत्री बटैली ।

अत्तरियामे रहल महिला तथा बालबालिका सेफ हाउसके प्रमुख जानकी मलासी महिलाहुक्रे आफन्तसे ढेर पीडित हुइल बटैली ।

कोई-कोई महिला तथा बालिका अपने गोसिया, बा, *(बाँकी ३ पेजमे)*

अपांगता रहल बालबालिकासम्बन्धी नीति बनैटी स्थानीय तह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ अगहन । कैलालीके तीन पालिका तहमे अपांगता रहल बालबालिकासम्बन्धी स्थानीय नीति बनाइ लागल बा ।

लम्की चुहा, टीकापुर नगरपालिका ओ जानकी गाउँपालिकाके अपांगता रहल बालबालिकासम्बन्धी स्थानीय नीति २०८२ बनाइ लागल हो । गुडनेवर्स इन्टरनेश्नल नेपालके सहयोगमे नीतिके मस्यौदा तयार कैके छलफल हुइटी रहल बा ।

अब बन्ना नीतिसे अपांगता बालबालिकाके हक अधिकार ओ सम्मानजनक जीवनयापनके अधिकारहे कानुनी रूपमे संरक्षण कैना ओ हक अधिकारहे सुनिश्चित कैना विश्वास करल बा । "अपांगता रहल बालबालिकाहे मर्यादित ओ सम्मानीत जीवन जिना सहज होए कना अभिप्रायके साथे कैलालीके तीन पालिकाके स्थानीय नीति निर्माणमे सहयोग करटी रहल बटी," गुडनेवर्स इन्टरनेश्नलके कार्यक्रम संयोजक अरुण चौधरी कहलै ।

उहाँ पालिकामे अपांगता बालबालिकासम्बन्धी नीति बनलपाछे उहाँहुक्रनके राज्यके सार्वजनिक सेवा सुविधा ओ अवसरमे समान पहुँच पुग्ना विश्वास लेहल बटैलै । नीतिके छलफलमे सहभागी हुइल लम्की चुहानगरपालिका–५के दृष्टिविहीन प्रभुनाथ उपाध्याय यी नीतिसे अपांगता रहल बालबालिकाहे सहयोग पुग्ना बटैलै । थापापुरके औरे दृष्टिविहीन चक्रबहादुर मल्ल नीतिमे रहल चीज पालिकासे कार्यान्वियन कैना हो कलेसे अपांगता रहलहे जीवनयापनमे कुछ सहज हुइना बटैलै । नेंगाई सम्बन्धी समस्या रहल अपांगता महिला देवु टमट्टा पालिका तहसे अपांगता रहल बालबालिकाके लाग लाने लागल नीतिके छलफलमे भाग लेहे पाके खुसी लागल बटैटी बने लागल नीति कार्यान्वियनमे लाने पर्ना बटैलै ।

लम्की चुहा नगरपालिकामे स्थानीय ऐन लागू हुइलपाछे ढेर कानुन तथा कार्यविधि निर्माण होसेकल रलेसे फेन अपांगता रहल बालबालिकाके लाग स्थानीय कानुन नैबनके समस्या हुइटीरहल बटैलै । नगरपालिकाके प्रशासकीय अधिकृत सुषमा महता केसी कहली, "अपांगता रहल बालबालिकाके क्षेत्रमे आवश्यक नीतिके अभावमे आवश्यक काम कैना समस्या रहे, आव यी नीति निर्माण हुइलपाछे सहज हुइना बा ।" उहाँ अपांगता रहल बालबालिकासम्बन्धी नीति बनैना काम अन्तिम चरणमे रहल जानकारी डेली ।

नेपालके संविधानसे सामाजिक न्यायके हकमे अपांगता रहल व्यक्तिहे समावेशी सिद्धान्तके आधारमे राज्यके हरेक निकायमे सहभागी कराइ पर्ना प्रावधानके सुनिश्चितता करल बा । अपांगता रहल व्यक्तिके नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक अधिकार सहितके सम्मानजनक जीवनयापनके अधिकारहे कानुनसे संरक्षण ओ प्रवर्द्धन करल कारण फेन पालिकासे संविधानके कार्यान्वियन ओ ओइनके हक अधिकारके सुनिश्चितताके लाग नीति निर्माण करे लागल अधिकृत केसी बटैली ।

नगर प्रमुख सुशीला शाही यी नीतिके कार्यान्वियनसे अपांगता रहलहुक्रनके संविधान प्रदत्त हक अधिकार सुनिश्चित हुइना बटैली । कार्यक्रमे टीकापुर नगर प्रमुख रामलाल डगौरा थारु, जानकी गाउँपालिका प्रमुख गणेश चौधरी, टीकापुर नगर उपप्रमुख जुना चौधरी लगायत फेन नीति बारेम सुझाव डेहल रहिट ।

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ के प्रतिवेदन अनुसार नेपालमे कूल छ लाख ४७ हजार सात सय ४४ (कुल जनसंख्याके २ दशमलब २ प्रतिशत) अपांगता रहल व्यक्ति बटै । सुदूरपश्चिम प्रदेशभर ६९ हजार ६७७ रहलमे कैलाली जिल्लामे किल २२ हजार चार सय ६५ अपांगता रहल व्यक्ति बटै ।

नीति बने लागल लम्की चुहा नगरपालिकामे दुई हजार सात सय ४०, टीकापुर नगरपालिकामे एक हजार नौ सय २७ ओ जानकी गाउँपालिकामे एक हजार दुई सय सात अपांगता रहल व्यक्ति बटै । नेपालमे १८ बरस टरेक बालबालिकाके जनसंख्या कूल जनसंख्याके ३४ दशमलब आठ प्रतिशत रहल बा ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

संक्रमणकालीन न्यायके कार्यदिशा

विचार

ठाकुरप्रसाद बस्ताकोटी

सरकार ओ तत्कालीन नेकपा (माओवादी) बिच २०६३ अगहन ५ गते हुइल सम्झौतामे छ महिनाभित्रे संक्रमणकालीन न्यायके विषय टुंगो लगैना कलेसे फेन हालसम यी विषय टुंगल नैहो । बृहत् शान्ति सम्झौता हुइनाआघे सशस्त्र द्वन्द्वके समयमे सर्वोच्च अदालतसे राजाराम ढकालविरुद्ध प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद्के कार्यालय हुइल मुद्दामे जेनेभा सन्धि कार्यान्वयनके लाग प्रभावकारी कानुन बनैना निर्देशनात्मक आदेश जारी होके मानवीय कानुन ओ मानव अधिकारके क्षेत्रमे न्यायिक हस्तक्षेप हुइल डेखाइठ । अस्टेक राजेन्द्रप्रसाद ढकालविरुद्ध गृह मन्त्रालयसमेत रहल मुद्दामे दुई आयोग छुट्टाछुट्टे बनैना मेरिक कानुन निर्माण करना मार्गदर्शन होके सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोग ओ बेपत्ता पारल व्यक्तिके छानबिन आयोग २०७१ माघ २८ गते गठन हुइल रहे मने यी अवधिमे द्वन्द्वपीडितके न्यायके अधिकार भर पुनर्स्थापित हुइना अवसर लम्बल बा ।

संक्रमणकालीन न्यायके अवस्था

पीडितके आत्मसम्मानमे ठेस लग्ना मेरिक एकतर्फी मेलमिलाप लादे नैसेक्ना हुइल ओरसे पीडितके अनिवार्य सहमतिमे किल मेलमिलाप हुइना कहल अदालत टमान मुद्दामे बोल्टि आइल बा । गम्भीर अपराधके पीडकहे न्यायके दायरामे नानल सजाय करना आधार खोजी करेपरना कना न्यायिक दृष्टिकोणमार्फत गम्भीर अपराधमे माफी हुइ नैसेक्ना आदेश सर्वोच्च अदालतसे हुइल पाजाइठ ।

माधवकुमार बस्नेतसमेत विरुद्ध प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद्के कार्यालयसमेत (नेकाप २०७०, अंक १०, निर्णय नं. ९०५१) रहल मुद्दामे अदालत सत्य निरूपण तथा मेलामिलापसम्बन्धी २०६९ चैत १ मे सरकारसे जारी करल अध्यादेश तत्कालीन अन्तरिम संविधान तथा प्राकृतिक न्यायके सिद्धान्तविपरीत हुइल ठहर हुइल रहे । उ फैसलामे सर्वोच्चसे बलपूर्वक व्यक्ति बेपत्ता परना कार्यके छानबिन करना छुट्टे आयोग गठन करेपरना, पीडितके सहमतिमे किल माफी डेना मेरिक अध्यादेश परिमार्जन ओ संशोधन करेपरना, आमनरसंहार, मानवताविरुद्धके अपराध, युद्ध अपराध, जबरजस्ती बेपत्ता, यातना, गैरन्यायिक हत्या तथा बलात्कारलगायतके यौन हिंसा जस्टे गम्भीर प्रकृतिके अपराधहे दण्डनीय बनैना कानुन निर्माण करेपरना, गम्भीर मानव अधिकार उल्लंघनके घटनामे मुद्दा चलैना डेखाइल ३५ दिने हदम्याद पुनरवलोकन गकरेपरना, पीडित एवं पीडितके परिवारहे यथेष्ट आर्थिक, कानुनी एवं संस्थागत व्यवस्थासहित परिपूरणके व्यवस्था ओ मेलमिलापके भावना प्रवर्धन करना कानुनी व्यवस्था करेपरना परमादेश सरकारहे डेहल रहे ।

संक्रमणकालीन न्यायसम्बन्धी कानुन

बेपत्ता पारल व्यक्तिके छानबिन तथा सत्य निरूपण ओ मेलमिलाप आयोग ऐनके कुछ व्यवस्था सर्वोच्चसे २०७१ फागुन १४ गते खारेज करले रहे । सर्वोच्चके आदेश कार्यान्वयनके सिलसिलामे २०८१ मे हुइल संशोधनसे मानव अधिकार उल्लंघन कना सशस्त्र द्वन्द्वके क्रममे निःशस्त्र व्यक्ति वा समुदायविरुद्ध लक्षित कैके वा योजनाबद्ध रूपमे करल कार्य सम्झेपरना कटि टमान अपराधहे उ ऐनमे ढरल बा । 'बेपत्ता पारल व्यक्तिके छानबिन, सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोग ऐन २०७१ हे संशोधन करना बनल विधेयक' विसं २०८० वैशाख १५ गते संसद्मे सामान्य छलफल हुइलपाछे उहिनहे प्रतिनिधि सभाके कानुन, न्याय तथा मानव अधिकार समितिमे पठाइल रहे । विधेयक पारित होके मानव अधिकार उल्लंघनके विषयहे 'मानव अधिकारके उल्लंघन' ओ 'मानव अधिकारके गम्भीर उल्लंघन' कना दुई वर्गमे विभाजन कैके पाछेक हकमे किल क्षमा डेहे नैसेक्ना उल्लेख करनाहे ढेर संवेदनशील रूपमे हेरटि आइल बा ।

हत्या, यौनजन्य हिंसा, शारीरिक तथा मानसिक यातना, अपहरण, घरजग्गासे विस्थापन जस्टे अपराधहे भर 'मानव अधिकारके उल्लंघन' किल कहल बा । अइसिन मूल ऐनके दफा २२ मे संशोधन करटि 'पीडक वा पीडितसे आयोगसमक्ष मेलमिलापके लाग निवेदन डेनामे आयोगसे पीडितके स्वतन्त्र सहमतिमे मानव अधिकारके गम्भीर उल्लंघनबाहेकके मानव अधिकार उल्लंघनके घटनाके पीडक ओ पीडितबिच एक आपसमे मेलमिलाप कराइ सेक्ना' कहल बा ।

संशोधित कानुनमे विशेष कैके मानव अधिकारके 'गम्भीर उल्लंघन' बारे करल परिभाषाके आलोचना हुइल पाजाइठ । मानवताविरुद्धके अपराध ओ युद्ध अपराधलगायत अन्तर्राष्ट्रिय कानुन अन्तर्गतके कुछ अपराधमे जवाफदेहितासे उन्मुक्ति सिर्जना करे सेक्ना अवस्थासमेत रहल पीडितसमेतके कहाइ रहल सार्वजनिक हुइटि आइल अवस्था फेन बा । पीडितके मुद्दा अनुसन्धान करना ओ मुद्दा चलैना मुख्य विषयमे प्रवेश हुइना ढिलाइ होके द्वन्द्वकालीन न्यायके विषय अन्त्यहीन लडाइँ जस्टे बनल द्वन्द्वपीडितहुकनके अनुभूति निवारण हुइ सेकल नैडेखाइठ । आयोग परिणाममुखी नैहुइना जोखिम कम करना द्वन्द्वकालीन मुद्दाके फर्स्योटके काममे सबके उचित तदारूकता ओ गम्भीरता आवश्यक डेखाइठ ।

> सक्कु पीडितके यकिन अभिलेख तयार करे नैसेक्ना राज्यके परिपूरणीय योजनामे उहाँहुकनके पहुँच स्थापित हुइसेक्ना अवस्थाके सुनिश्चितताके आधार तयार हुइ नैसेक्ना अवस्था बा। पीडितमैत्री संक्रमणकालीन न्यायहे प्राथमिकतामे ढैके पीडितमैत्री न्यायिक प्रक्रियाहे पुनर्स्थापकीय न्यायके विश्वव्यापी मान्यतासँग जोरके आगे बढ्हना अत्यन्ते जरुरी बा। सत्यके उजागर करना, फौजदारी न्यायके प्रयास आगे बढ्हाके परिपूरणीय आवश्यकता पूर्ति करना बाटके बिच सन्तुलन मिलैना हमार अपन विशेषज्ञताके क्षेत्रबिच समन्वयपूर्ण भूमिका प्रवर्धन करैना आयोगके संस्थागत क्षमता विकास जरुरी बा। आयोगमे पदाधिकारी नियुक्त हुइलेसे फेन द्वन्द्वकालमे अत्यधिक पीडित हुइल समुदाय अभिनसम फेन क्षतिपूर्ति ओ पुनर्स्थापनाके पर्खाइमे समय व्यतीत करना परल अवस्था विद्यमान बा। पीडितहुक्रे अनेक आर्थिक ओ सामाजिक कठिनाइ झेलल अवस्था बा। यी वास्तविकताहे आत्मसात् कैके हमार संस्थागत क्षमता सुधार ओ समग्र वातावरण अभिवृद्धि कैके आमजनताके विश्वास ओ भरोसा आर्जनके वातावरणसमेत तयार करे परठ। संक्रमणकालीन न्याय प्रक्रियामे पीडित, प्रभावित परिवार ओ समुदायके सदस्यके दृष्टिकोणहे समोटके उहाँहुकनके भावना ओ आवश्यकता बुझ्के आगे बढ्हना अत्यावश्यक रहठ। संक्रमणकालीन न्यायबारे सर्वोच्च अदालतके निर्देशनात्मक आदेश, प्रचलित राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय कानुनके मूल्य मान्यतासमेतके आधारमे हमार संक्रमणकालीन न्यायके निरूपणमे सर्वपक्षीय तदारूकता अपरिहार्य बा।

अन्तर्राष्ट्रिय अनुभव

दक्षिण अफ्रिका (१९९५–२००२), अर्जेन्टिना (१९८३–८४), चिली (१९९०–९१), पेरु (२००१–३) लगायत टमान देशमे संक्रमणकालीन न्याय सम्बन्धमे टमान आयोग स्थापना हुइल पाजाइठ । केन्यामे सन् १९६३ से सन् २००८ सम हुइल जातीय युद्धमे करल हत्या–हिंसा ओ मानवअधिकार उल्लंघनके घटनामे सत्य निरूपण आयोगसे पाँच वर्षमे प्रतिवेदन संसद्मे बुझैनापहिले उ प्रतिवेदन पीडक कना तोकलविरुद्ध कारबाही चलैना विशेष अदालतके माग करल । उ माग पूरा नैहुइटपाछे प्रतिवेदन आइसिसी पुगल । अस्टेक डिआर कंगोमे सन् १९६० से सन् २००३ सम चलल द्वन्द्वमे हुइल जनधनके क्षतिपाछे सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोगमे द्वन्द्वमे प्रत्यक्ष रूपमे संलग्न व्यक्ति आयोगके सदस्यके रूपमे रहल कहिके मुद्दा आइसिसीमे पुगल । युद्ध अपराध तथा मानवताविरुद्धके अपराधमे आइसिसीसे वहाँके पूर्वराष्ट्रपति जिन पिएरे बेम्बा तथा विद्रोही नेता थोमस लुबाङ्वाहे बाल सेना प्रयोग करलमे दोषी ठहर फेन करल । कोलम्बियाके क्रूर युद्धपाछे क्युबाके हवानामे नोभेम्बर २०१६ मे शान्ति सम्झौतामे हस्ताक्षर हुइल मने शान्ति कायम हुइ नैसेकल । अभिनसम ६० से ढेर देशमे संक्रमणकालीन न्यायहे निष्कर्षमे पुगैना आयोग गठन हुइल बा । पीडितके पीडा लम्मा समयसम होके सिंगो समाजसे द्वन्द्वके अनेक असर भोगेपरना अवस्था कायम रहटि आइल दृष्टान्त बा ।

सन् १९७१ के स्वतन्त्रता संग्रामके बेला बंगलादेशमे हुइल आमनरसंहार, युद्ध अपराधमे संलग्न पीडकहे दण्ड डेना वहाँक संसद् अन्तर्राष्ट्रिय अपराध न्यायालय ऐन, १९७३ जारी करले रहे । लम्मा समयसम फेन उ ऐन कार्यान्वयनमे नैआइलपाछे सन् २००९ मे संसद् उ ऐनमे संशोधन कैके देशभित्रे अन्तर्राष्ट्रिय अपराध न्यायालयके स्थापना करल, यिहिनसे झन्डे ४० वर्षपाछे युद्ध अपराधमे संलग्न हुइलहे सन् २०१०–२०१६ सम्ममे दण्ड सुनाइल टब फेन बंगलादेश हाल नयाँ स्वरूपके राजनीतिक संक्रमणसे समेत गुज्रे परल बा ।

नेपालके अवस्था

विस्तृत शान्ति सम्झौता हुइनाआघेसे सर्वोच्च अदालतसे संक्रमणकालीन न्यायके विविध आयाममे प्रतिपादन करल महत्वपूर्ण नजीर ओ कानुनी सिद्धान्त प्रयोग हुइ सेक्ना अवस्था बा । अपराध अनुसन्धान ओ अभियोजन, सत्य अन्वेषण ओ क्षतिपूर्ति, संस्थागत क्षमता विकास तथा परीक्षणलगायत विधिके चरणबद्ध परीक्षण हुइपरना कना अन्तर्राष्ट्रिय मानव अधिकार कानुन ओ मानवीय कानुनके पक्ष राष्ट्रसमेत रहल नेपालमे नागरिक तथा राजनीतिक अधिकार अनुबन्ध, यातनाविरुद्धके महासन्धि एवं जेनेभा महासन्धि अन्तर्गतके कानुनी दायित्व पूरा करेपरना अवस्था बा ।

ऐन जारी हुइल एक दशकसे ढेर बिट्सेलेसे फेन ओहे ऐनसे निर्माण करल आयोगसे प्रभावकारी रूपमे काम कैके सत्य निरूपण ओ मेलमिलापके वातावरण कायम नैहुइना तथा बेपत्ता व्यक्तिके छानबिनके अवस्था नैटुंना दण्डहीनताके अवस्थाहे संकेत करल हो कि कना संशय व्याप्त हुइ नैडेना सबके सजगता आवश्यक बा । राजेन्द्र ढकालसमेत विरुद्ध गृह मन्त्रालयसमेत हुइल मुद्दामे सर्वोच्चके आदेश कार्यान्वयनके क्रममे तत्कालीन न्यायाधीश लोकेन्द्र मल्लिकके अध्यक्षतामे कार्यटोली गठन होके कुछ *(बाँकी ३ पेजमे)*

कैलालीके औषधी व्यवसायी आन्दोलित

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ११ अगहन । काठमाडौंमे गैल अगहन २ गतेसे आन्दोलन सुरु करल औषधि व्यवसायीहुक्रे सरकारविरुद्ध धनगढीमेफे प्रदर्शन करले बटै ।

गैल मंगर काठमाडौंके बिजुलीबजारस्थित औषधि व्यवस्था विभागके कार्यालयमे पुगके संशोधित औषधि ऐनमे धारल दण्ड, जरिबाना ओ संस्था खारेजी सम्बन्धी प्रावधान तत्काल खारेज करेबेर माग करटी आन्दोलन सुरु करल हुइट ।

संस्थाके नवीकरण एक महिनाभिटर नैकरलेसे स्वतः खारेज हुइना लगायतके प्रावधान संविधानके समेत बर्खिलापमे आइल ओरसे अपने ओकर खारेजीके माग करटी आन्दोलनमे उटरे परल नेपाल औषधी व्यवसायी संघ कैलालीके अध्यक्ष प्रेमराज बुढाक्षेत्री बटैलै । उहाँ अपनेहुकनके माग सम्बोधन नैहुइलेसे कडा आन्दोलनमे उटरना बटैलै ।

औषधी ऐन, २०३५ हे संशोधन करके बनल ऐनमे एक महिनाभिटर संस्था नवीकरण नैकरलेसे स्वतः खारेज हुइना व्यवस्था करल बा । उ प्रति ब्यबसयीहुकनके आपत्ति जनाइल हुइट ।

दुई सय ३३ कैदीबन्दी आभिनसम फरार

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १० अगहन । जेनजी आन्दोलनके क्रममे कैलाली कारागारसे भागल १९ भारतीयसहित २३७ कैदीबन्दी आभिनसम पक्राउ परे सेकल नैहुइट ।

कैदीबन्दी भागल अढाई महिनासे ढेर समय होसेकल परफेन आभिनसम ढेर कैदी पक्राउ परे नैसेकल हुइट । कारागारमे रहल मध्ये ६६५ कैदीबन्दी फरार हुइल रहिट । फरार कैदीमध्ये १९ जाने भारतीय फेन रहल कारागार प्रशासनसे जानकारी डेले बा ।

कारागार प्रशासनके अनुसार फरारमध्ये अपनही आइल ओ पक्राउ करल ४२८ कैदीबन्दी कारागार आसेकल बटै । कारागार आइलमध्ये कुछ कैदीबन्दी कैद भुक्तान कैके छुटसेकल बटै ।

अब्बे लावा थपल सहित कारागारभिट्टर ४४४ जाने कैदीबन्दी रहल जेलर चिरञ्जिवी सापकोटा जानकारी डेलै । जेम्ने ३८ जाने महिला रहल बटै ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ६ कित्ता नं. २५१४ क्षेत्रफल १३५.४४ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री खगेन्द्र भण्डारीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः सडक — पश्चिमः करुणा राना
उत्तरः सलुवा साउँद, कमलादेवी पुजारा — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ कित्ता नं. १६६३ क्षेत्रफल २०६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री सर्मिला बिकले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः झुब्लुलाल डंगौरा — पश्चिमः सडक
उत्तरः मोती सिंह बोहरा — दक्षिणः भागरती देवी विश्वकर्मा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

विनियोजित रकम रोकलपाछे स्थानीय आक्रोशित

बाजुरा, ११ अगहन । जिल्लाके पूर्वी उत्तर क्षेत्रमे पर्ना हिमाली गाउँपालिका वाड नं १ से ३ समके सडक निर्माणके लाग विनियोजन करल रकम सरकारसे रोकलपाछे अब्बे यहाँके दुर्गम गाउँ बस्तीके स्थानीय आक्रोशित बनल बटै ।

यहाँके दुर्गम गाउँ बस्तीके स्थानीय तथा पर्यटकहे आउजाउ कैनामे सहज हुइना मेरके सङ्घीय सरकारसे आर्थिक बरस २०८२/०८३ के जेठमे विनियोजन करल रकम अब्बे काम सुरु कैना बेलामे रोकलपाछे यहाँके स्थानीयवासी इहे बेला ढेर आक्रोशित बनल हुइट ।

देशके दुर्गम जिल्लाके रुपमे रहल बाजुरा ओ ओम्हे जिल्लाके फेन विकट क्षेत्रमे पर्ना हिमाली गाउँपालिका ओ हिमाली गाउँपलिकाके दुर्गम स्थानमे पर्ना यहाँके १ से ३ समके मैतर्ना, युना, बौडी, गुम्बा, लाम्पाटा ओ पर्यटकीय स्थल रानीसैन रहल बा ।

यी दुर्गम गाउँ बस्ती पर्यटकीय स्थल फेन हो । यी बस्ती सडक सञ्जालके पहुँचमे नैहोके यहाँके स्थानीय दुःख कष्ट खेप्टी आइल बटै । यहाँके रानीसैन गुम्बा लगायतके ठाउँ पर्यटकीय स्थलके रुपमे चिन्हजैटी आइल रलेसे फेन सडक सुविधा नैहोके यहाँ अइना जैना पर्यटकहे आउजाउमे सास्ती खेपे परल बा ।

मने सरकारसे यहाँके विकासके लाग आनाकाना करटी रहल बा । पाछेक समय पालिकासे यहाँके ४, ५, ६ ओर ७ के कुछ वडा सडक सञ्जालके पुहँचमे राखल रलेसे फेन १, २ ओ ३ वडामे भर आभिन सडक पुगाइ सेकल नैहो । यकर लाग पालिकासे गत बरसमे सङ्घीय सरकारहे रकम माग कैटी आइल रहे ।

उहे माग अनुसार सङ्घीय सरकारसे फेन यहाँके दुर्गम बस्तीके स्थानीयहे आउजाउमे सहज तथा पर्यटकीय स्थलहे थप व्यवस्थित कैना मेरके आर्थिक बरस २०८२/०८३ मे झण्डै तीन करोड रकम विनियोजन करल रहे ।

अब्बे जेनजी आन्दोलनपाछे यहाँके लाग छुट्याइल उ रकम यी बेला सरकारसे नै फेनसे रोकलपाछे अब्बे यहाँके दुर्गम गाउँ बस्तीके स्थानीय हम्रहीनहे सरकारसे सडक सुविधासे फेनसे वञ्चित करल कहटी आक्रोसित बन्टी गैल हुइल बटै ।

दुर्गम गाउँ बस्तीके स्थानीयके सहजताके लाग किल नैहोके यहाँके देशभरसे अइना करल पर्यटकहे हिमाली गाउँपालिकाके १ से ३ के दुर्गम गाउँ बस्ती मैतर्ना, युना, बौडी, गुम्बा लाम्पाटा हुइटी पर्यटकीय स्थल रानीसैन सम जैना सहज हुइना हिमाली गाउँपालिका वडा नं -३ के वडा अध्यक्ष मंगलबहादुर बुढा बटैलै ।

उहाँ कहलै, "पहिलाके सरकारसे दुर्गम गाउँ बस्तीहे हेरके नै यहाँ सडक सुविधाके लाग उ रकम विनियोजन करल रहो । अब्बेक सरकारसे उ रकम रोकडेहलपाछे यहाँके स्थानीय मर्कामे परल बटै ।"

यहाँके दुर्गम गाउँ बस्तीमे सडकके पहुँचमे रख्ना सरकारके प्रमुख दायित्व हुइ पर्ना हो । मने विनियोजन करल रकम समेत रोकलपाछे यहाँके स्थानीयहे उ सेवासे वञ्चित हुइटी गैल अध्यक्ष बुढा बटैलै ।

हिमाली गाउँपालिका १ से ३ समके सक्कु ठाउँमे सडक विस्तारके लाग सङ्घीय सरकारसे आर्थिक बरस २०८२/२०८३ मे तीन करोड रुपियाँ विनियोजन करल हिमाली गाउँपालिका अध्यक्ष गोविन्दबहादुर मल्ल बटैलै ।

उहाँ कहलै, "सङ्घीय सरकारसे प्रत्येक बरसमे जेठसे रकम विनियोजन करठ् । प्रदेश सरकारसे असार १ ओ स्थानीय सरकारसे असार १५ गतेसम सकम विनियोजन कैना करठ् ।"

सङ्घीय सरकारसे पहिले नै उ ठाउँमे सडक निर्माणके लाग रकम विनियोजन करलपाछे हम्रे फेन ओम्ने रकम छुट्याइल नैरही । अब्बे उहोरसे नै उ रकम रोकलपाछे यहाँके स्थानीय मर्कामे परल मल्ल बटैलै ।

जेनजी आन्दोलन पाछे सरकारसे तीन करोडसे उप्परके सक्कु योजनाके रकम रोकलपाछे अब्बे हम्रे फेनसे उ रकम फुकुवाके लाग अर्थमन्त्रालयमे पत्रचार कैटी आइल सडक डिभिजन कार्यालय अछामके सूचना अधिकारी सुभाष शाह बटैलै ।

अन्तर्राष्ट्रिय

भारतके पार्या पर्यटन बृद्धि करेक लाग एडीबीसे सात करोड ७० लाख अमेरिकी डलर ऋण स्वीकृत

काठमाडौं, ११ अगहन । एसियाली विकास बैंक (एडीबी) भारतके मेघालय राज्यमे पर्या पर्यटन ओ प्राकृतिक खेतीहे बढावा डेके दिगो जीविकोपार्जन सिर्जना करना सात करोड ७० लाख अमेरिकी डलर ऋण स्वीकृत करले बा ।

यी परियोजनासे प्रकृतिमे आधारित पर्यटन, "जलवायु-स्मार्ट" खेती ओ वन संरक्षणसँग एकीकृत कैके महिला ओ आदिवासी समुदायसहित आठ हजार से ढेर स्थानीय मनैन्के लाग आर्थिक अवसर सिर्जना करना जनाइल बा । एडीबीके उत्तरपूर्वी आर्थिक कोरिडोर अध्ययनसे मेघालयके विकासके प्रमुख अवयवके रुपमे प्रकृतिमे आधारित पर्यटन ओ व्यावसायिक कृषिहे पहिचान कैके परियोजनाहे आकार डेना मद्दत करले बा ।

परियोजनाके मुख्य घटकमे प्रकृतिमे आधारित पारिस्थितिक पर्यटन आगन्तुक सुविधा निर्माण करना समावेश बा यिहिनसे परम्परागत शिल्प ओ सीपके लाग व्याख्या केन्द्र ओ प्रदर्शन क्षेत्र ओ कृषि उत्पादनके लाग बजारके रूपमे काम करठ । यी परियोजनासे पारिस्थितिक प्रणालीमे आधारित भुक्तानीमार्फत २५ हजार हेक्टर सामुदायिक वन पुनर्स्थापना करना जनाइल बा ।

यकर साथे जलवायु "स्मार्ट अभ्यास" अपनैना ओ सिँचाइ प्रणालीके पुनः स्थापना करना किसानहे सहयोग करि । यकर साथे एडीबीसे संस्थागत क्षमता बढ्हैना, बजार सम्बन्धहे सुदृढ परना ओ कार्बन ओ जैविक विविधता जस्टे नवीन वित्तीय संयन्त्र मार्फत दिगोपन सुनिश्चित करना थप १० लाख डलर प्राविधिक सहायता अनुदान प्रदान करल बा ।

महाकाली लडियामे एक युवक बेपत्ता

कञ्चनपुर, ११ अगहन । महाकाली लडियामे लहैना क्रममे एक युवक बेपत्ता हुइल बटै ।

जिल्लाके भीमदत्त नगरपालिका-१२ ओदालीके २१ वर्षीय रोशन दमाई संघरियनसँग मंगरके रोज महाकाली लडियामे लहाइ गैल बेला बेपत्ता हुइल रहिट ।

शरीरसे लुगरा बिन निकरले पक्की पुल लग्गे लहाइ गैल दमाई लहैना क्रममे बेपत्ता हुइल वडा नम्बर १२ कार्यवाहक वडा अध्यक्ष नरबहादुर साउँद बटैलै । दल दमाइके तीन छावामध्ये छुट्की छावा रोशन रोजगारीके लाग बाह्रय मुलुक जैना तयारीमे रहिट । मने मंगर दिनके खानाखाके संघरियनसंग लहाइ गैल बेला रोशन बेपत्ता हुइल उहाँ बटैलै ।

दमाईसँगे लगहाइ गैल औरे युवक भर सकुशल रहल बटाइल बा । बेपत्ता युवकके खोजी कार्य हुइटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक सागर बोहरा बटैलै ।

खोजीके लाग सशस्त्र प्रहरी, नेपाल प्रहरी ओ नेपाली सेना खटल बा । टोलीसे बेपत्ता स्थलके ५ सय मिटर आँजरपाँजर खोजी कैलेसे फेन भेटाइ नैसेकल प्रनाउ बोहरा बटैलै । महाकाली लडियामे पानीके बहाव अत्यधिक रहना क्षेत्रमे लहाइ नैजैना समेत समेत प्रहरी आग्रह करले बा ।

संक्रमणकालीन...

व्यक्तिहे बेपत्ता पारल विषयमे छानबिन कैके प्रतिवेदन पेस करल रहे । यकर कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो । संक्रमणकालीन न्यायमे ऐनसे परिकल्पना करल संक्रमणकालीन न्याय कोष जस्टे व्यवस्थाके यथाशीघ्र स्थापनामे फेन हमार ध्यान केन्द्रित हुइ सेकल नैहो । जेनजी आन्दोलनपाछे सुशासनहे केन्द्रमे ढैके गठन हुइल वर्तमान सरकारसे समेत यहोर ध्यान डेना जरुरी डेखाइठ ।

आयोगके अपूरा कार्य

पीडितके यथोचित पहिचान ओ सूचीकरण प्रभावकारी परिपूरण कार्यक्रमके पूर्वसर्त हो । मने शान्ति सम्झौता होके दुई दशक पुगलेसे फेन सक्कु पीडितके पहिचान तथा पञ्जीकरण नैसेक्ना यीप्रतिके सरोकारवालाके बेवास्ताके परिणाम हो कहे सेक्जइ । यीबिचमे संक्रमणकालीन न्यायके उद्देश्य बिस्रैना समाजमे न्याय ओ मेलमिलाप कायम हुइ नैसेक्लेसे सर्वोच्चसे द्वन्द्वपीडित तथा द्वन्द्व प्रभावितके न्यायोचित ढंगसे सम्बोधन हुइपरना कना कहल आदेशके कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो ।

सक्कु पीडितके यकिन अभिलेख तयार करे नैसेक्ना राज्यके परिपूरणीय योजनामे उहाँहुकनके पहुँच स्थापित हुइसेक्ना अवस्थाके सुनिश्चितताके आधार तयार हुइ नैसेक्ना अवस्था बा । पीडितमैत्री संक्रमणकालीन न्यायहे प्राथमिकतामे ढैके पीडितमैत्री न्यायिक प्रक्रियाहे पुनर्स्थापकीय न्यायके विश्वव्यापी मान्यतासँग जोरके आगे बह्हना अत्यन्ते जरुरी बा ।

सत्यके उजागर करना, फौजदारी न्यायके प्रयास आगे बहाके परिपूरणीय आवश्यकता पूर्ति करना बाटके बिच सन्तुलन मिलैना हमार अपन विशेषज्ञताके क्षेत्रबिच समन्वयपूर्ण भूमिका प्रवर्धन करैना आयोगके संस्थागत क्षमता विकास जरुरी बा । आयोगमे पदाधिकारी नियुक्त हुइलेसे फेन द्वन्द्वकालमे अत्यधिक पीडित हुइल समुदाय अभिनसम फेन क्षतिपूर्ति ओ पुनर्स्थापनाके पर्खाइमे समय व्यतीत करना परल अवस्था विद्यमान बा । पीडितहुक्के अनेक आर्थिक ओ सामाजिक कठिनाइ झेलल अवस्था बा । यी वास्तविकताहे आत्मसात् कैके हमार संस्थागत क्षमता सुधार ओ समग्र वातावरण अभिवृद्धि कैके आमजनताके विश्वास ओ भरोसा आर्जनके वातावरणसमेत तयार करे परठ ।

संक्रमणकालीन न्याय प्रक्रियामे पीडित, प्रभावित परिवार ओ समुदायके सदस्यके दृष्टिकोणहे समोटके उहाँहुकनके भावना ओ आवश्यकता बुझ्के आगे बह्हना अत्यावश्यक रहठ । संक्रमणकालीन न्यायबारे सर्वोच्च अदालतके निर्देशनात्मक आदेश, प्रचलित राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय कानुनके मूल्य मान्यतासमेतके आधारमे हमार संक्रमणकालीन न्यायके निरूपणमे सर्वपक्षीय तदारूकता अपरिहार्य बा ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

करेन्ट लागके एक जानेक मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ अगहन । बझाङ घर रहल जिल्ला कैलाली, घोडाघोडी न.पा.१ लक्ष्मीपुर माईतिघरमे आइल बर्ष ४२ के कमला बि.क के करेण्टके मृत्यु हुइल बा ।

माईतिघरके नल्कामे मोटर चलाके लहैना क्रममे करेण्ट लगाके गम्भीर घाहिल हुके उपचारके लाग घोडाघोडी अस्पताल सुखड लैगिलमे चिकित्सकसे चेकजाँच करे मृत्यु घोषणा करल रहे । उ सम्बन्धमे अनुसन्धान हुइटी रहल बा ।

हिंसाहे समयमे...

डाडु भैया वा लग्गेक संघरियासे बलात्कृत हुइल बटै । अब्बेक अवस्था हेरलेसे समाज केहोर जाइटा कना गम्भीर चिन्ताके विषय बनल उहाँ बटैली । महिला तथा बालबालिकाहे प्रलोभनमे पारके बलात्कार कैना वा सम्पति हरपनालगायत हिंसामे परल उहाँ बटैली ।

कार्यक्रममे मुक्त कमैया महिला विकास मञ्चके उद्यम विकास अधिकृत सन्तोष पराजुली महिला उद्यमीहुक्के सामना कैना टमान समस्याके विश्लेषण कैना ओ व्यापार व्यवसाय/उद्यम स्थापना, संचालन करेबेर हुई सेक्ना सम्भवित लैङ्गिक हिंसाबारे जानकारी डेहल रहिट ।

सरकारी ओ गैरसरकारी माध्यमसे चालल कदम अन्वेशण कैना महिला उद्यमशिलता प्रवर्द्धन कैना संस्था लैङ्गिक हिंसा विरुद्ध चालल कदमबारे प्रस्तुतीफे प्रस्तुतीकरण करल रहिट ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके आर्थिक बर्ष २०८०/०८१ सालके तथ्यांक अनुसार सुदूरपश्चिम प्रदेशमे यौनजन्य हिंसाके मुद्दा २८९ ठो, जवरजस्ती करणी तथा हत्याके १ ठो, बहुविवाहके ८० ठो मुद्दा दर्ता हुइल उहाँ बटैलै ।

ओस्टेक करके बालविवाहके मुद्दा दर्ता ७ ठो, तेजाव प्रहार एक ठो, घरेलु हिंसाके सबसे ढेर ९ हजार २१४ ठो मुद्दा, अवैध गर्भपतनके ५ ठो, जातीय छुवाछुटके एक ठो, मानव वेचविखन तथा ओसारपसारके १० ठो मुद्दा दर्ता हुइल बटैलै ।

मञ्चके उद्यम विकास अधिकृत पराजुली महिलाहुकनहे उद्यमी बनाइक लाग सहयोग सपोट करटी आइलफे बटैलै । कार्यक्रममे मञ्चके उद्यम विकास सहजकर्ता सुरेश भट्टलगायत गोदावरी नगरपालिकाके टमान वडासे उद्यमी महिलाहुकनके सहभागिता रहल रहे ।

प्रविधिके सही प्रयोग करी, लैङ्गिक हिंसा अन्त्य करी कना मुल नाराके साथ ३४औं लैङ्गिक हिंसा विरुद्धके १६ दिने अभियान सुरुवाट हुइल बा ।

प्रत्येक बरस नोभेम्बर २५ से डिसेम्बर १० अर्थात अगहन ९ से २४ गतेसम लैङ्गिक लैङ्गिक हिंसा विरुद्धके १६ दिने अभियान मनैना करजाइठ ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

झोगुला पक्की पुल निर्माणमे ढिलाइ

बाजुरा, ११ अगहन । बाजुरा र मुगुलाई जोड्ने झोगुला पक्की पुल निर्माणके काममे ढिलाइ हुइल बा । बाजुरासे मुगु रारा हुइटी कर्णाली प्रदेशके सक्कु जिल्ला जोरजैना मेरके भौतिक पूर्वाधार तथा शहरी विकास मन्त्रालय कर्णाली प्रदेश सरकारसे कर्णाली लडियाके झोगलामे पक्की पुल निर्माणके लाग झण्डै १४ करोड ४९ लाख रकम विनियोजन करल रहे ।

बाजुराके हिमाली गाउँपालिका ओ मुगुके खत्याड गाउँपालिकाके बिचमे पर्ना कर्णाली लडिया स्थित झोगुलामे पक्की पुल निर्माणके जिम्मा लेहल ठेकेदार कम्पनीके लापरबाहीके कारण पुल निर्माण कार्यमे ढिलाइ हुइल हो ।

२०८१ साल अगहन काम सम्पन्न कैना मेरके २०७९ साल अगहनमे कुशेश्वर कन्ट्रक्सन प्रालिसे १४ करोड ४९ लाखमे उ पुल निर्माणके लाग सम्झौता करल रहे ।

यहाँ कुछ बरस पहिले झोगुलामे बेलिब्रिज पुल निर्माण करल रहे । अब्बे इहे पुलसे बाजुरा ओ मुगुमे यातायातके जिप ट्याक्र टक लगायतके सावारी साधन सुचारु हुइना करल बावै ।

पक्की पुल निर्माणके काम हाली हुइट कलेसे यहाँ चल्ना सवारी साधनहे थप सहज हुइना स्थानीयवासी बटैठै ।

२०७८ सालमे सम्झौता हुइलेसे फेन सरकारसे डिजाइन स्टिमेट निर्माण करेबर ढिलाइ करलपाछे पुल निर्माण कार्यमे ढिला हुइल कुशेश्वर कन्ट्रक्सन प्राली काठमाडौँके ठेकेदार जयराज घले बटैलै ।

उहाँ कहलै, "औरेसे कर्णाली लडियामे पुल निर्माण कैना करां रहल बा । बर्खा पानीके बहाव बहठ् । हिउँदम आके पानीके बहाव घट्ठ् । औरे यहाँ काम करेबर कुछ समान बिग्रलेसे उ समान सपारके यहाँसम पुगैना तीन चार महिना लागठ् ।"

अब्बे एक बरस म्याद फेनसे थप करल बा । आगामी २०८२ सालके चैत भिटरे पुल निर्माणके काम सम्पन्न कैना मेरके यी बेला काम हुइटी रहल ठेकेदार घले बटैलै ।

यी योजना प्रदेश सरकारसे आइल ओरसे यकर काम कब सुरु हुइल हो । कबसम काम सम्पन्न करे पर्ना हो उ सक्कु चीज पूर्वाधार विकास कार्यालय मुगुहे पटा हुइना खत्याड गाउँपालिका अध्यक्ष अजबहादुर मल्ल बटैलै ।

यहोर झुगलामे पक्की पुल निर्माण हुइलसँगे सुदूरपश्चिमके नौ जिल्लाके स्थानीयहे बाजुरासे रारा जैना सहज हुइना हिमाली गाउँपालिका अध्यक्ष गोबिन्द्रबहादुर मल्ल बटैलै ।

उहाँ कहलै, "अब्बे यहाँ बेलिब्रिज बा । आहे मार्फत बाजुरासे मुगुसम स्थानीय आउजाउ कैना करल बटै ।" पक्की पुल निर्माण हाली हुइट कलेसे यहाँके स्थानीय व्यापारी तथा बाहरसे अउइया पर्यटकहे थप सहज हुइना अध्यक्ष मल्ल बटैलै । सम्झौता हुइल अनुसार उ कम्पनीसे उ ठाउँमे एक सय पाँच मिटर लम्बाई पक्की पुल निर्माणके लाग कम्पनीसे १४ करोड ४९ लाख रुपियाँमा सम्झौता करले बा ।

ठेकेदार कम्पनीसे यी सम्झौता करल अनुसारके काम सम्पन्न नैकरल ओरसे अब्बे फेनसे म्याद थपल बा । अब्बे एक पील्लरको काम ओराके औरे बिचके पिल्लरके काम सुरु हुइल पूर्वाधार विकास कार्यालय मुगु जनैले बा ।

आज धनगढीमे नेकपाके एकता सन्देश सभा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ अगहन । आज (अगहन १२ गते) धनगढीमे नेकपाके एकता सन्देश सभा हुइना हुइल बा ।

एकता सन्देश सभा तयारी बारे बिफेक रोज धनगढीमे पत्रकार सम्मेलन मार्फत जानकारी डेहल हो । एकता सन्देश सभाके लाग सक्कु तयारी पुरा हुइल सभाके संयोजक डा. भीम रावल जानकारी डेलै ।

टमान १२ घटक मिलके बनल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी नेकपासे देशभर पार्टी एकता सन्देश सभा आयोजना कैना तयारी करले बा । उहे बिच आज धनगढीसे सुरु हुइ लागल जानकारी कराइल बा । धनगढी रंगशालाके दक्षिण क्षेत्रमे हुइना सभामे सभामे हजारौँके संख्यामे उपस्थिति रहना जनाइल बा ।

सभाहे नेकपाके संयोजक पुष्पकमल दाहाल प्रचण्ड ओ सहसंयोजक माधव कुमार नेपाल सहित झलनाथ खनाल, वामदेव गौतम नारायणकाजी श्रेष्ठ ओ भीम रावल सम्बोधन कैना जनाइल बा ।

सुदूरपश्चिमके धनगढीसे सुरु हुइना यी कार्यक्रम क्रमशः लुम्बिनी, गण्डकी, कोशी, उपत्यका विशेष, कर्णाली, संघीय संरचना समन्वय प्रदेश, मधेश ओ बागमती प्रदेशमे आयोजना हुइना जनाइल बा ।

ओस्टके, विदेशमे रहल पार्टी संरचनाके लाग अगहन २१ गते साँझ ६ बजे भर्चुअल एकता सभा सञ्चालन करजैना कार्यक्रम समेत तय करल बा ।

मानवअधिकारको सम्मान गरौं ।

- मानवअधिकार जन्मसिद्ध र नैसर्गिक अधिकार हो,
- मानवअधिकार व्यक्तिको जीवन, स्वतन्त्रता र मर्यादासँग सम्बन्धित हुन्छ,
- हरेक व्यक्तिलाई जात, धर्म, भाषा, लिङ्ग वा वर्णको आधारमा भेदभाव नगरी समान अधिकार र अवसर प्रदान गरिएको हुन्छ,
- मानवअधिकार देशको संविधान, कानून र अन्तर्राष्ट्रिय सन्धिद्वारा प्रदत्त अधिकार हुन्,
- मानवअधिकार उल्लंघन नगरौं,
- मानवअधिकारको उल्लंघन भएमा राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोग वा सम्बन्धित निकायमा उजुरी गरौं ।

मानवअधिकारप्रति सचेत रहौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

कञ्चनपुर भन्सारसे लक्ष्यसे कम राजस्व संकलन

कञ्चनपुर, ११ अगहन । कञ्चनपुर भन्सार कार्यालय गड्डाचौकीसे चालु आर्थिक बरसके तीन महिनामे लक्ष्यसे कम राजस्व संकलन करले बा ।

भन्सार कार्यालय गड्डाचौकीसे चालु आर्थिक बरस २०८२-८३ के चार महिनामे दुई लाख ६ हजार ८०२ रुपियाँ राजस्व संकलन करले बा । कार्यालयसे चालु आवके चार महिनामे २ लाख ६२ हजार ९६ रुपियाँ राजस्व संकलन कैना लक्ष्य निर्धारण करलेसे फेन उ अनुरूप राजस्व संकलन हुइ नैसेकसल जनाइल बा ।

कञ्चनपुर भन्सार कार्यालयके सूचना अधिकारी चक्रदेव भट्ट सरकारसे भन्सारजन्य सामग्री आयातमे सहुलियत ओ कर छुट डेहल ओरसे लक्ष्यअनुरूप राजस्व सक्तलन हुइ नैसेकल बटैलै । औरे ओर महाकाली पुलसे १० टन ढेर सामग्री बोके नैपैना हुइलपाछे यी नाका होके भन्सारजन्य सामानके आयात घट्टी गैल उहाँ बटैलै ।

चालु आवके कुवाँर महिनामे लक्ष्यसे २ प्रतिशत ढेर राजस्व सक्तलन हुइलेसे फेन सावन, भदौ ओ कात्तिक महिनामे भर राजस्व सक्तलन उत्साहजनक डेखल नैहो । भन्सार कार्यालय गड्डाचौकीके अनुसार, सावन महिनामे ९८ दशमलव ३३ प्रतिशत अर्थात् ५५ हजार १५८ रुपियाँ, भदौ महिनामे ८३ दशमलव ७८ प्रतिशत अर्थात् ४९ हजार ३४०, कुवाँर महिनामे ५८ हजार ८९४ ओ कात्तिक महिनामे ७३ प्रतिशत अर्थात् ४३ हजार ४१० रुपियाँ राजस्व सक्तलन हुइल बा ।

ओस्टके, भन्सार कार्यालय गड्डाचौकीसे विगत चार बरस यहोर लक्ष्यअनुरुप राजस्व सक्तलन करे सेकल नैहो । कार्यालयसे गत आर्थिक बरस २०८१-८२ मे ७ लाख ४० हजार ५५९ रुपियाँ राजस्व सक्तलनके लक्ष्य लेहल रहे । गत आवमे लक्ष्यके ८१ प्रतिशत अर्थात् ५ लाख ९७ हजार ७५९ रुपियाँ सक्तलन हुइल रहे ।

ओस्टके, आव २०८०-८१ मे फेन कार्यालयसे लक्ष्यसे ९ प्रतिशत कम राजस्व सक्तलन करल रहे । उक्त आवमे ५ लाख ४३ हजार ८८९ रुपियाँ राजस्व सक्तलन करल रहे ।

ओस्टके, आव २०७९-८० मे लक्ष्यसे २९ प्रतिशत कम अर्थात् ४ लाख २० हजार ९९५ रुपियाँ राजस्व सक्तलन करले बा । कार्यालयसे आव २०७८-७९ मे फेन लक्ष्यसे १३ प्रतिशत कम राजस्व सक्तलन करल रहे । उ आवमे ५ लाख २७ हजार ७६० रुपियाँ लक्ष्य निर्धारण करल रलेसे फेन ४ लाख ६२ हजार २३८ रुपियाँ किल राजस्व संकलन करल रहे ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

"लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"